आकाशवाणी श्री विजयपुरम

06.06.2026 समय : 1905

1. केंद्र सरकार ने कानूनी माप प्रणाली के अंतर्गत खाद्य तेलों के लिए मानक पैकिंग लागू की है।

2. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अंक सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि कल तक बढ़ा दी है।

3. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की दसवीं वर्षगांठ नौ जून को मनाई जाएगी।

4. द्वीपसमूह में बारह जून तक तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने की संभावना।

<><><><><><><>

केंद्र सरकार ने कानूनी माप प्रणाली के अंतर्गत खाद्य तेलों के लिए मानक पैकिंग लागू की है। इससे बाजार में अधिक पारदर्शिता और एकरूपता आएगी। उपभोक्ता कार्य विभाग ने खाद्य तेलों और घी की शुद्ध मात्रा तथा मानक पैक आकार निर्धारित करने संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया में संशोधन किया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि संशोधित नियमों के अंतर्गत, ताड़ का तेल, पामोलिन, सोयाबीन तेल, सूरजमुखी तेल, सरसों का तेल, मूंगफली का तेल, तिल का तेल, चावल की भूसी का तेल, कपास के बीज का तेल और मक्का के तेल सहित प्रमुख खाद्य तेलों के लिए मानक पैक आकार निर्धारित किए गए हैं। स्वीकृत पैक आकार दो सौ ग्राम, पांच सौ ग्राम, एक से पांच किलोग्राम, पन्द्रह किलोग्राम और बीस किलोग्राम हैं। इस पहल का उद्देश्य बाजार में विभिन्न पैकेज आकारों की बढ़ती संख्या कम करना है। इससे उपभोक्ताओं के लिए कीमतों की तुलना और सोच–समझकर खरीदारी करना आसान हो जाएगा।

<><><><><><><>

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड–सीबीएसई ने अंक सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि कल तक बढ़ा दी है। छात्र अब कल मध्यरात्रि तक अपने आवेदन जमा कर सकेंगे। सीबीएसई ने सभी पात्र छात्रों से बढ़ी हुई समय–सीमा का ध्यान रखते हुए निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

<><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की ओर से FSI, में जलवायु परिवर्तन और समुद्री मात्स्यिकी पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान, गैर–सरकारी संगठनों, मछुआरों, कॉलेज छात्रों और स्थानीय समुदाय के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मात्स्यिकी विज्ञान प्रभाग के प्रमुख, डॉ. एम. मुरुगानन्दम ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत और दुनिया भर में महासागरों और मत्स्य संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के साक्ष्यों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महासागरीय परिवर्तन, मछलियों पर पड़ने वाले प्रभावों और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र को हो रहे खतरे पर चर्चा की। डॉ. मुरुगानन्दम ने मछुआरों के साथ जमीनी स्तर के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इस बदलते परिवर्तन को देखते हुए उन्होंने मात्स्यिकी प्रबंधन रणनीतियों के वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया।

<><><><><><><>

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने स्वराज द्वीप के नीम–ओ–रीफ से जेट्टी मार्ग पर पारदर्शी कयाकिंग गतिविधियों के संचालन की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह निर्णय 'अंडमान निकोबार द्वीप समूह जलक्रीड़ा दिशानिर्देश–दो हजार पन्द्रह' के प्रावधानों के तहत की गई जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुरूप लिया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में चल रहे जेट्टी–लाइटहाउस कयाकिंग मार्ग पर भीड़भाड़ को कम करना, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को नए अवसर प्रदान करना और साथ ही गतिविधियों की प्रभावी निगरानी और विनियमन सुनिश्चित करना है। पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, इस प्रस्तावित क्षेत्र में केवल पारदर्शी कयाक के संचालन की ही अनुमति होगी। इच्छुक कयाक संचालक, केंद्र और पर्यटन हितधारक अपने आवेदन निदेशालय के साहसिक जलक्रीड़ा प्रभाग में जमा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से नौ जून दो हजार सोलह को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की शुरूआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य सभी गर्भवती महिलाओं को एक निश्चित दिन, मुफ्त, सुनिश्चित, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल सेवाएं प्रदान करना है। यह अभियान हर महीने की नौ तारीख को आयोजित किया जाता है। इस वर्ष नौ जून को इस राष्ट्रव्यापी अभियान की दसवीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। इस वर्ष का विषय 'पी एम सुरक्षित मातृत्व अभियान के दस वर्ष–सुरक्षित गर्भावस्था, स्वस्थ माताएं, मजबूत भारत' है। इस अवसर पर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष स्क्रीनिंग गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत पूरे द्वीपसमूह में विशेष 'आयुष्मान आरोग्य शिविर' आयोजित किए जाएंगे।

<><><><><><><>

महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाबंदर ने शैक्षणिक सत्र दो हजार छब्बीस–सत्ताईस के लिए विभिन्न सात स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र और इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। इच्छुक छात्र कॉमन कॉलेज एडमिशन पोर्टल के माध्यम से तीस जून ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पात्रता मानदंड से जुड़ी अन्य सभी जानकारियां पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन के विभिन्न विभागों में ग्रुप बी और सी के कुल सात सौ सोलह पदों को भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए उच्च माध्यमिक स्तरीय परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन परीक्षा की तिथि की घोषणा प्रशासन के भर्ती पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। ग्रुप बी में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु तीस वर्ष, जबकि ग्रुप सी के पुरूष आवेदकों की आयु तैतीस वर्ष और महिला उम्मीदवार की आयु अड़तीस वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदन के लिए पोर्टल पन्द्रह जून दोपहर बारह बजे से पांच जुलाई मध्य रात्रि तक खुली रहेगी। अधिक जानकारी प्रशासन के भर्ती पोर्टल पर उपलब्ध है।

<><><><><><><>

राज्य प्राधिकरण विभाग की क्षतिपूर्ति वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण में वानिकी विशेषज्ञ और लेखाकार के एक–एक पद पर अनुबंध के आधार पर एक वर्ष के लिए नियुक्ति की जाएगी। उम्मीदवारों की आयु पैंसठ वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह चालीस हजार रूप्ये की एकमुश्त राशि दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार आवेदन फार्म विभाग और प्रशासन की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ पच्चीस जून तक व्यक्तिगत रूप से हैडो स्थित वन सदन में जमा किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>

कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सभी लाभार्थियों से वित्तीय वर्ष दो हजार छब्बीस–सत्ताईस का वार्षिक बायोमेट्रिक ई–केवाईसी पूरा करने का आग्रह किया है। भारत सरकार ने वार्षिक ई–केवाईसी पूरा करना अनिवार्य कर दिया है। जिन लाभार्थियों ने पहले ई–केवाईसी पूरा कर लिया था, उन्हें भी वर्ष दो हजार छब्बीस–सत्ताईस के लिए इस वार्षिक ई–केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करना आवश्यक है। ई–केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने की अंतिम तिथि तीस जून है।

<><><><><><><>

द्वीपों के अधिकांश स्थानों पर आज रूक–रूक कर हल्की से मध्यम वर्षा हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार बारह जून तक तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति चालीस से पचास किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है, जिसके बढ़कर साठ किलोमीटर प्रतिघंटा तक होने की आशंका जताई गई है। खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को दस जून तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>